This question paper contains 3 printed pages.]

आपका अनुक्रमांक .....

7360 **A**

M.A./II

SANSKRIT—Course 14 (Group I)

(Bhāratīya Jyotiṣa Śastra)

समय : 2 घण्टे पूर्णांक : 50

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English.

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिन्दी **या** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए।

नोट : प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक एम. ए. संस्कृत परीक्षा के वर्ग 'ब' (स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग एवं नॉन-फॉर्मल सैल आदि) के परीक्षार्थियों के लिए मान्य हैं। वर्ग 'अ' (नियमित पूर्व विद्यार्थियों) के लिए इन अंकों का समानुपातिक पुनर्निर्धारण परीक्षाफल तैयार करते समय किया जाएगा।

भाग क

(Part A)

1. अधोलिखित की विशद व्याख्या कीजिए :

Explain the following in detail :

[P.T.O.

(क) पश्यन्ति सप्तमं सर्वे शनिजीवकुजाः पुनः।

विशेषतश्च त्रिदशत्रिकोणचतुरष्टमान्।।

अथवा *(Or)*

न दिशन्ति शुभं नृणां सौम्याः केन्द्राधिपा यदि

क्रूराश्चेदशुभं ह्येते प्रबलाश्चोत्तरोत्तरम्।।

(ख) धर्मकर्माधिनेतारौ रन्ध्रलाभाधिपौ यदि।

तयोः सम्बन्धमात्रेण न योगं लभते नरः।।

अथवा *(Or)*

केन्द्रत्रिकोणाधिपयोरेकत्वे योगकारिता।

अन्यत्रिकोणपतिना सबन्धो यदि किं परम्।। 15

2. "सम्बन्धमात्राद्वलिनौ भवेतां योगकारकौ" इसका सोदाहरण विवेचन कीजिए।

Discuss in detail with example, the line written above.

अथवा *(Or)*

"हन्ति सत्यप्यसम्बन्धे मारकः पापभुक्तिषु"

इसका सोदाहरण विवेचन कीजिए।

Discuss in detail with example, the line written above. 10

भाग ख

(Part B)

3. अधोलिखित की विशद व्याख्या कीजिए :

Explain the following in detail :

देहाधीशः सपापो व्ययरिपुमृतिगश्चेत्तदा देहसौख्यं,
न स्याज्जन्तोर्निजर्क्षे व्ययरिपुमृतिपस्तत्फलस्यैव कर्ता।
मूर्तौ चेत् क्रूरखेटस्तदनु तनुपतिः स्वीयवीर्येण हीनो,
नानातंकाकुलः स्याद् व्रजति हि मनुजो व्याधिमाधिप्रकोपम्।।

अथवा *(Or)*

विद्यास्थानाधिपो वा बुधगुरुसहितश्चेत् त्रिके वर्तमानो,
विद्याहीनो नरः स्यादथ नवमनिजक्षेत्रकेन्द्रेषु तद्वान्।
बालत्वं वृद्धता वा यदि गगनसदां जन्मकाले तदा स्यात्
प्रज्ञामान्द्यं नराणामथ यदि विहगः स्वर्क्षगो दोषहृत् स्यात्।। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए, जिनमें से **एक संस्कृत** में हो :

Write short notes on any ***three*** of the following, out of which ***one*** should be in ***Sanskrit*** :

राजप्रियता योग, बहुकाम योग, गृह-प्राप्ति योग, परजात योग, विषकन्या योग तथा शतायु योग। 15